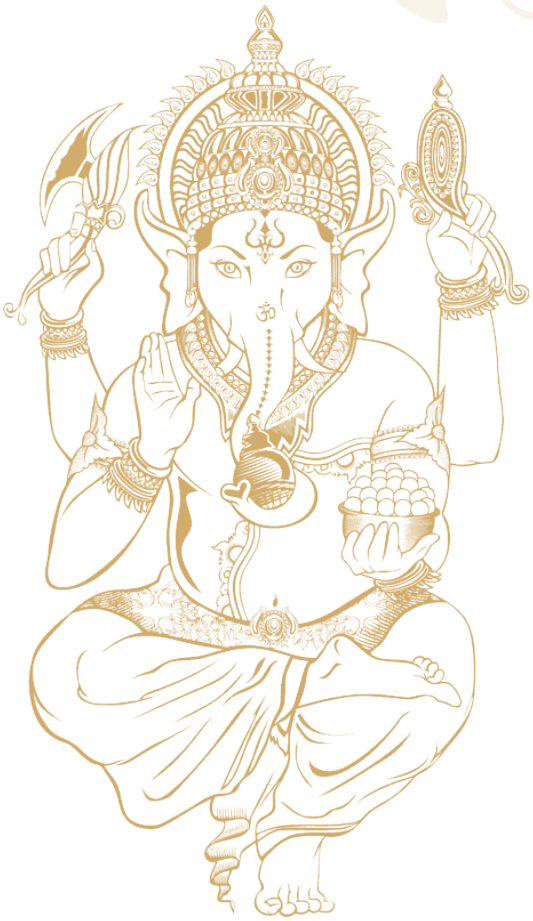

Mr. Vandit Gahlot ????? ?? sbi

01 Jan 2007

06:04 PM

Jodhpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 120683323

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**01/01/2007**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**18:04:00 घंटे**
इष्ट	26:36:33 घटी
स्थान	**Jodhpur**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:18:00 उत्तर
रेखांश	73:08:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:37:28 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:26:32 घंटे
वेलान्तर	-00:03:20 घंटे
साम्पातिक काल	00:09:40 घंटे
सूर्योदय	07:25:22 घंटे
सूर्यास्त	17:56:30 घंटे
दिनमान	10:31:08 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	16:45:06 धनु
लग्न के अंश	19:17:51 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**रोहिणी - 4**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	शुक्ल
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	सर्प
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वू-वुभेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	19:17:51	317:04:23	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	मंगल	---
सूर्य			धनु	16:45:06	01:01:08	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	मित्र राशि
चंद्र			वृष	20:45:08	13:52:26	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	मूलत्रिकोण
मंगल			वृश्चि	24:51:07	00:43:26	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	स्वराशि
बुध		अ	धनु	13:23:09	01:35:22	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	सम राशि
गुरु			वृश्चि	14:20:45	00:12:18	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	मित्र राशि
शुक्र			मक	02:45:27	01:15:11	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	मित्र राशि
शनि	व		सिंह	00:28:51	00:02:48	मघा	1	10	सूर्य	केतु	केतु	शत्रु राशि
राहु	व		कुंभ	24:47:53	00:10:58	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	24:47:53	00:10:58	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष			कुंभ	17:36:02	00:02:03	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	सूर्य	---
नेप			मक	24:10:30	00:01:54	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	---
प्लूटो			धनु	03:05:25	00:02:11	मूल	1	19	गुरु	केतु	सूर्य	---
दशम भाव			मीन	08:40:47	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:57:21

लग्न-चलित

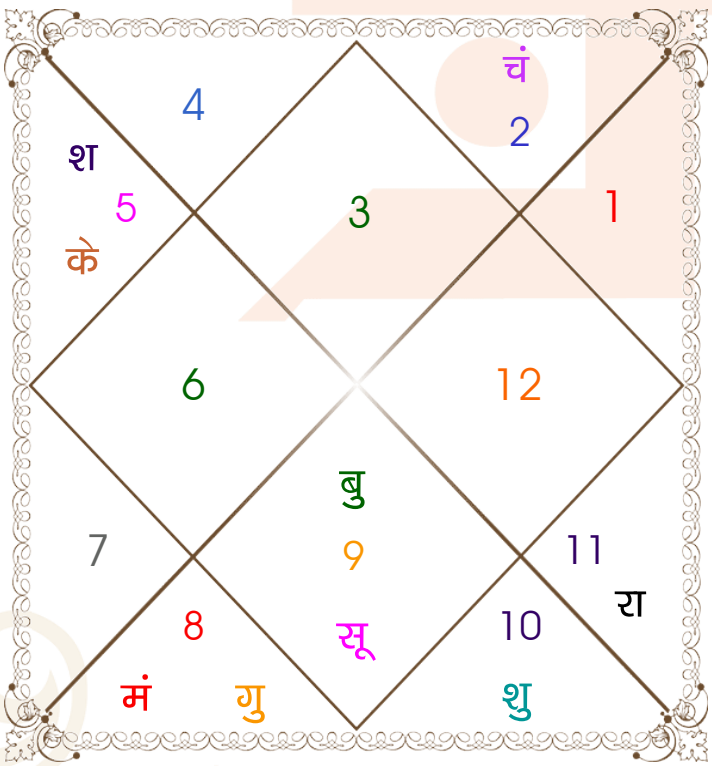

चन्द्र कुंडली

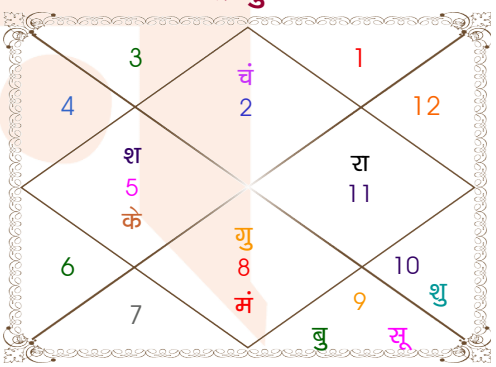

नवमांश कुंडली

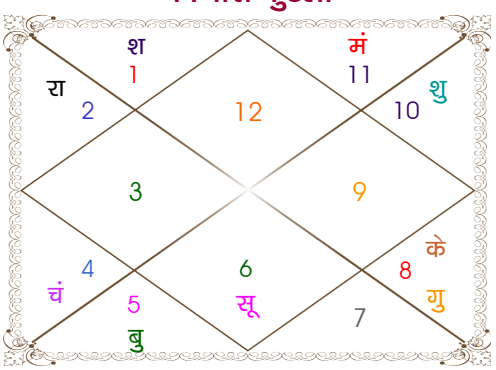

रुद्र वैदिक वास्तु एवं ज्योतिष कंसलटेंसी

जोधपुर - राजस्थान -(भारत)

9784732978

kishorchoukha@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 1 वर्ष 11 मास 6 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
01/01/2007		08/12/2008		09/12/2015		09/12/2033		09/12/2049	
08/12/2008		09/12/2015		09/12/2033		09/12/2049		08/12/2068	
	00/00/0000	मंगल	06/05/2009	राहु	21/08/2018	गुरु	27/01/2036	शनि	11/12/2052
	00/00/0000	राहु	25/05/2010	गुरु	14/01/2021	शनि	09/08/2038	बुध	21/08/2055
	00/00/0000	गुरु	01/05/2011	शनि	21/11/2023	बुध	14/11/2040	केतु	29/09/2056
	00/00/0000	शनि	09/06/2012	बुध	09/06/2026	केतु	21/10/2041	शुक्र	30/11/2059
	00/00/0000	बुध	06/06/2013	केतु	28/06/2027	शुक्र	21/06/2044	सूर्य	11/11/2060
	00/00/0000	केतु	02/11/2013	शुक्र	27/06/2030	सूर्य	09/04/2045	चंद्र	12/06/2062
	01/01/2007	शुक्र	02/01/2015	सूर्य	22/05/2031	चंद्र	09/08/2046	मंगल	22/07/2063
शुक्र	09/06/2008	सूर्य	10/05/2015	चंद्र	20/11/2032	मंगल	16/07/2047	राहु	28/05/2066
सूर्य	08/12/2008	चंद्र	09/12/2015	मंगल	09/12/2033	राहु	09/12/2049	गुरु	08/12/2068

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
08/12/2068		09/12/2085		08/12/2092		09/12/2112		10/12/2118	
09/12/2085		08/12/2092		09/12/2112		10/12/2118		00/00/0000	
बुध	07/05/2071	केतु	07/05/2086	शुक्र	09/04/2096	सूर्य	29/03/2113	चंद्र	10/10/2119
केतु	03/05/2072	शुक्र	07/07/2087	सूर्य	09/04/2097	चंद्र	27/09/2113	मंगल	10/05/2120
शुक्र	04/03/2075	सूर्य	12/11/2087	चंद्र	09/12/2098	मंगल	02/02/2114	राहु	09/11/2121
सूर्य	08/01/2076	चंद्र	12/06/2088	मंगल	08/02/2100	राहु	28/12/2114	गुरु	11/03/2123
चंद्र	09/06/2077	मंगल	08/11/2088	राहु	09/02/2103	गुरु	16/10/2115	शनि	09/10/2124
मंगल	06/06/2078	राहु	26/11/2089	गुरु	10/10/2105	शनि	27/09/2116	बुध	11/03/2126
राहु	24/12/2080	गुरु	02/11/2090	शनि	09/12/2108	बुध	04/08/2117	केतु	10/10/2126
गुरु	31/03/2083	शनि	12/12/2091	बुध	10/10/2111	केतु	10/12/2117	शुक्र	02/01/2127
शनि	09/12/2085	बुध	08/12/2092	केतु	09/12/2112	शुक्र	10/12/2118		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 1 वर्ष 11 मा 10 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों के पर्यटक होंगे। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगा।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगे। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि के स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पातें। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाते हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देते हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने के आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं।

आप अच्छी तरह यह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करते हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होते हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाते हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकते हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगे। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगें।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगे। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।